Class. I.Com XII
Subject. EPS
Topic Environmental Scanning
Lecture 04
Prepared by - Dr C P Sahu
Marwari College Darbhanga.

पर्यावरणीय सूक्ष्म (1)

साहसी को पर्यावरणीय सूक्ष्म जाँच को प्रभावित करने वाले विभिन्न घटको का सूक्ष्म परीक्षण करते रहना चाहिए जिससे आने वाले किसी भी पर्यावरणीय मोड़ों के (obstacles) का सामना वह आसानी से कर सके।

साहसी एक वृहत वातावरण में कार्यशील विभिन्न शक्तियों एवं घटनाओं के प्रत्युत्तर में कार्य करता है।

पर्यावरण की सूक्ष्म जाँच करने से पहले साहसी को निम्नांकित घटकों पर ध्यान देना चाहिए -

(I) **आर्थिक घटक** - प्रत्येक घटक पर्यावरण पर कुछ न कुछ प्रभाव डालता है लेकिन उद्योग-व्यवसाय पर आर्थिक घटक का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।

(i) **आर्थिक विकास का स्तर** - आर्थिक विकास का स्तर व्यवसाय को प्रभावित करता है। जैसे - कॉलगेट कंपनी ने विकासशील एवं अविकसित देशों के लिए जहाँ वेतन कम आय वाला है, के लिये कम मूल्य वाली वाशिंग-मशीन का निर्माण किया है।

(ii) **आर्थिक नीतियाँ** - सरकार के आर्थिक नीति के अन्तर्गत औद्योगिक नीति, राजकोषीय नीति, मौद्रिक नीति, व्यापार नीति आदि आते हैं। इस नीतियों से व्यापार पर ~~अपने~~ अनुकूल तो कुछ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तो कुछ पर बिल्कुल प्रभाव नहीं पड़ता।

(iii) **बाजार की स्थिति** - साहसी वस्तुओं की माँग के अनुरूप ही उत्पादन करता है। यदि माँग अधिक है तो साहसी अवसर का लाभ उठाने के लिए अधिक उत्पादन करता है ~~तथा~~ तथा माँग घटने पर उत्पादन कम कर देता है।

Scanned with CamScanner

(iv) ब्याज दर एवं आयकर दर – जब ब्याज दर कम होती है तो व्यापारी को ऋण आसानी से प्राप्त होता है और उद्योग-व्यापार की स्थापना तेजी से होती है। ब्याज की ऊँची दर प्रगति में बाधक होती है। इसी तरह आयकर की दर कम होने से व्यापार तथा साहसी को प्रोत्साहन मिलता है और आयकर की दर अधिक होने पर मनोबल गिर जाता है।

(2) सामाजिक घटक - समाज में शिक्षा का स्तर, जनसंख्या का आकार, लिंग अनुपात, रीति रिवाज, परम्पराएँ, लोगों की रुचि, जीवन-यापन के स्तर इत्यादि ऐसे घटक हैं जिनसे पर्यावरण प्रभावित होता है।

(3) राजनीतिक घटक - यदि देश में स्थायी सरकार है तो व्यावसायिक गतिविधियों को प्रभावित होने का अवसर मिलता है क्योंकि यह शान्ति और सुरक्षा का माहौल दे पाती है। अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति भी बनी रहती है। यदि अस्थिर सरकार हो तो राजनीतिक उठक-पटक के चलते माहौल अस्थिर हो जाता है।

(4) तकनीकी घटक - तकनीक में परिवर्तन उत्पादन, वितरण तथा सेवाओं को प्रभावित करता है। जैसे-नये-नये उपकरण, विधि और प्रक्रिया ने बाजार में हलचल पैदा कर देती है। ऐसी स्थिति में साहसी कदम-कदम नहीं हो सका तो बाजार में टिक नहीं पायेगा।

(5) ~~वैधानिक~~ वैधानिक घटक - सरकार अपनी नीतियों और कानून द्वारा उद्योग-व्यवसाय को नियंत्रित करता है। कारखाना अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम आदि द्वारा उद्योग-व्यवसाय प्रभावित होता है।

(6) प्रतियोगी घटक - एक प्रतियोगी दूसरे को पछाड़ने तथा आगे बढ़ने के होड़ में नये उत्पाद, प्रक्रिया, विधि उत्पन्न करता रहता है।

(7) ग्राहक घटक - ग्राहक बाजार का राजा होता है जिसकी संतुष्टि या असंतुष्टि पर उद्योग-व्यापार का अस्तित्व टिका होता है।

अतः उद्यमी को उपर्युक्त सभी घटकों का सूक्ष्म परीक्षण करते रहना चाहिए।

— x —

Scanned with CamScanner